चिकित्सीय
आपातकाल/एम्बुलेंस सेवा के लिए
कृपया 112 पर डायल करें।

अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 233 | श्री विजय पुरम, सोमवार, 31 अगस्त 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

मन की बात: माननीय प्रधानमंत्री ने पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से महिला सशक्तिकरण का उल्लेख किया

नई दिल्ली, 30 अगस्त।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि नशा मुक्त युवा फोर विकसित भारत अभियान पूरे देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज आकाशवाणी पर मन की बात कार्यक्रम में श्री मोदी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि नशा मुक्त युवा और नशा मुक्त भारत केवल एक औपचारिकता नहीं है, क्योंकि बहुत सारे लोग और विशेषकर युवा बड़ी संख्या में इसका हिस्सा बन रहे हैं। यह भारत के युवाओं के स्वास्थ्य, खुशी और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नशे की लत से केवल एक व्यक्ति पर ही दुष्प्रभाव नहीं पड़ता बल्कि पूरे परिवार और समाज को इसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और नशे की लत से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए आगे आने वाले लोगों की सराहना की।

श्री मोदी ने लोगों से नशा मुक्त भारत के लिए प्रभावशाली नारा तैयार करने और युवा संगीतकारों से ऐसे गीत बनाने को कहा जो नशा मुक्त जीवन का संदेश दें। उन्होंने कहा कि देश में उत्कृष्ठ कंटेंट क्रिएटर्स की कोई कमी नहीं है। श्री मोदी ने उनसे इस प्रयास में विभिन्न भाषाओं में कंटेंट तैयार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे सामाजिक परिवर्तन के लिए अपनी रचनात्कता को माध्यम के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से लाखों महिलाओं को नई शक्ति प्राप्त हो रही है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के इस पहलू पर उतनी चर्चा नहीं हुई जितनी होनी चाहिए थी। श्री मोदी ने कहा कि लगभग 46 प्रतिशत महिलाएं पीएम स्वनिधि योजना की लाभार्थी हैं। उन्होंने कहा कि देशभर की लगभग 35 लाख महिलाएं इस योजना से जुड़कर अपने कारोबार को आगे बढ़ा रही हैं।

श्री मोदी ने इस योजना से लाभान्वित होने वाली गाजियाबाद की बबिता शर्मा और बेंगलुरु की टी.एस. निन्गम्मा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब एक महिला का कारोबार आगे बढ़ता है तो उसके साथ पूरे परिवार का भविष्य भी आगे बढ़ता है, बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलती है, घर की जरूरतें पूरी होती हैं और महिला का आत्मविश्वास और मजबूत होता है। श्री मोदी ने कहा कि यह महिला सशक्तिकरण का जीवंत रूप है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छता की एक बहुत बड़ी खुबी होती है। उन्होंने कहा कि जब किसी जगह को स्वच्छ रखने का संकल्प लोगों का अपना संकल्प बन जाता है तो उससे, उस जगह की पहचान पूरी तरह बदल जाती है। श्री मोदी ने कहा कि देश के विभिन्न भागों में स्वच्छता के लिए ऐसे प्रयासों से लोगों को निरंतर प्रेरणा मिलती है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के पटवाई के आकाश और रोहन का उल्लेख किया जिन्होंने नदी के घाटों सहित सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने के लिए लोगों को प्रेरित किया है।

प्रधानमंत्री ने श्री अमरनाथ यात्रा का भी उल्लेख किया जहां चार सौ मीट्रिक टन से अधिक कचरे को इकट्ठा कर प्रसंस्कृत किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि ओडिसा के देबरीगढ़ क्षेत्र के धोड़रोकुसुम के मैथिली भुए ने यह दिखा दिया है कि जीवन में समृद्धि प्राप्त करने के साथ–साथ प्रकृति की रक्षा करना भी संभव है। श्री मोदी ने कहा कि आज देश की बेटियों के सपनों की उड़ान धरती से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे सपने देखने वाली दुनिया की हजारों बेटियों को एक साथ जोड़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस पहल का नाम है मिशन शक्तिसैट और इसके माध्यम से एक सौ आठ देशों की 12 हजार छात्राओं को उपग्रह प्रौद्योगिक सीखने और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस महीने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में इस मिशन की एक सुंदर झलक देखने को मिली, जहां गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में मिशन शक्तिसैट के दूसरे चरण की शुरुआत की गई।श्री मोदी ने आंध्रप्रदेश में कडप्पा के वरदराज और तमिलनाडु में कोडाईकनाल के चन्द्रशेखरन का उल्लेख किया, जो ऐवोकैडो की खेती के जरिए अतिरिक्त कमाई कर रहे हैं।

श्री मोदी ने मुंबई के कृष्णा शेषाद्रि से बात की जिन्होंने एक अद्भुत वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट भारतराज्य डॉट कॉम शुरू की है। इस वेबसाइट पर कोई भी वर्ष चुनकर लोग पता कर सकते हैं कि भारत के किस हिस्से में उस समय किस राजा का शासन था। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री कृष्णा की इस पहल से न केवल इतिहास के छात्रों को मदद मिलेगी बल्कि लोगों को अतीत के बारे में उत्सुकता से जानने का अवसर मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगस्त का महीना अपने साथ देशभक्ति के कई रंगों को लेकर आया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस और भारत छोड़ों आंदोलन की वर्षगांठ से लेकर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस ने इस महीने को विशेष बनाया। श्री मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस और राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस ने प्रत्येक नागरिक को गर्व

शेष पृष्ठ 4 पर

श्री विजय पुरम में नीट पीजी–2026 प्रवेश परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न

विजय पुरम, 30 अगस्त।

राष्ट्रव्यापी स्तर पर आयोजित की जा रही नीट पीजी–2026 प्रवेश परीक्षा आज श्री विजय पुरम में निर्धारित चार परीक्षा केंद्रों, अर्थात् डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान (डीब्राइट), डॉलीगंज, एसआईएस कंप्यूटर एजुकेशन, मिडिल प्वाइंट, इंडिया टेक्नोलॉजी, मिडिल प्वाइंट तथा इंडिया टेक्नोलॉजी, क्लॉक टावर में आयोजित की गई।

परीक्षा के लिए कुल 303 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 291 अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए। सभी निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी), सुरक्षा प्रोटोकॉल तथा परीक्षा संबंधी दिशा–निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए परीक्षा का सुचारू एवं सफलतापूर्वक संचालन किया गया।

परीक्षा प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से तथा बिना किसी अप्रिय घटना के संपन्न हुई। परीक्षा के दौरान कानून–व्यवस्था से संबंधित कोई समस्या, विद्युत आपूर्ति में कोई व्यवधान अथवा अन्य किसी प्रकार की संचालन संबंधी कठिनाई की सूचना नहीं मिली। ज़िला प्रशासन तथा संबंधित विभागों द्वारा किए गए समन्वित प्रबंधों से परीक्षा का सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित हुआ।

ज़िला प्रशासन, दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के साथ–साथ परीक्षा संबंधी दायित्वों के लिए तैनात सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कर्मियों के प्रति उनकी त्वरित प्रतिक्रिया, समर्पित प्रयासों और पूरे मनोयोग से दिए गए सहयोग के लिए अपनी हार्दिक सराहना एवं आभार व्यक्त करता है।

उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सभी संबंधित विभागों, अधिकारियों, कर्मचारियों, परीक्षा कर्मियों तथा अन्य हितधारकों के बीच निकट समन्वय और सामूहिक प्रयासों ने श्री विजय पुरम में नीट पीजी–2026 प्रवेश परीक्षा के शांतिपूर्ण एवं सुचारू संचालन को सुनिश्चित किया। ज़िला प्रशासन, दक्षिण अण्डमान, परीक्षा के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने में सभी संबंधितों द्वारा किए गए समर्पित प्रयासों, सहयोग एवं समर्थन की सराहना करता है और इसके लिए आभार व्यक्त करता है।

डीसी–एसपी कप सांस्कृतिक प्रतियोगिता

विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक एवं समूह गायन कार्यक्रम आयोजित

विजय पुरम, 30 अगस्त।

ज़िला प्रशासन, दक्षिण अण्डमान द्वारा संबंधित विभागों और स्थानीय निकायों के समन्वय से "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" विषय के तहत पूरे दक्षिण अण्डमान ज़िले के विभिन्न स्थानों पर अंतर–ग्राम स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता–डीसी–एसपी कप का आयोजन किया जा रहा है।

चल रही प्रतियोगिता के तहत विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक एवं समूह गायन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना, स्थानीय सांस्कृतिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा आम जनता, विशेषकर युवाओं के बीच मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं नशे की लत के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना था।

चिड़ियाटापू तट पर पंचायतों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्कूली बच्चों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी के साथ नुक्कड़ नाटक एवं समूह गायन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती पूर्वा गर्ग, आईएएस, उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान मुख्य अतिथि के रूप में तथा श्रीमती श्वेता के. सुगथन, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, ज़िला दक्षिण अण्डमान उपस्थित रहीं।

प्रतिभागी समूहों ने प्रभावशाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों तथा स्वस्थ, ज़िम्मेदार और नशा मुक्त जीवनशैली अपनाने के महत्व पर सशक्त सामाजिक संदेश दिए गए। प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करने तथा प्रदर्शन के आधार पर प्रतिभागी समूहों को अंक प्रदान करने के लिए निर्णायकों का एक पैनल भी उपस्थित था। बड़ी संख्या में आम जनता कार्यक्रम में शामिल हुई और प्रस्तुतियों की सराहना की।

शेष पृष्ठ 4 पर

वंडूर तट पर डीसी–एसपी कप अंतर–ग्राम सांस्कृतिक प्रतियोगिता में जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी

विजय पुरम, 30 अगस्त।

ज़िला प्रशासन, दक्षिण अण्डमान द्वारा "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" विषय के तहत आयोजित की जा रही डीसी–एसपी कप अंतर–ग्राम सांस्कृतिक प्रतियोगिता के क्रम में आज प्रतियोगिता का दूसरा दिन वंडूर तट पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में फरारगंज तहसील के अंतर्गत विभिन्न पंचायतों ने भाग लिया और निर्णायक मंडल तथा दर्शकों के समक्ष नुक्कड़ नाटक एवं समूह गायन की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में आम जनता, विशेष रूप से बच्चों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में श्रीमती श्वेता के. सुगथन, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, ज़िला दक्षिण अण्डमान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनकी उपस्थिति और प्रोत्साहन के शब्दों ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया तथा कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार किया।

नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुतियों के माध्यम से नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रतिकूल प्रभावों तथा नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रभावशाली और सार्थक संदेश दिए गए। वहीं, समूह गायन की प्रस्तुतियों ने "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" के संदेश को और मजबूत किया तथा भाग लेने वाली पंचायतों की सांस्कृतिक प्रतिभा को भी प्रदर्शित किया। बच्चों और युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों के दौरान आत्मविश्वास, रचनात्मकता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया तथा मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने के महत्व के

शेष पृष्ठ 4 पर

राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 : अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने साइकिल चलाकर दिया फिटनेस का संदेश

विजय पुरम, 30 अगस्त।

"राष्ट्रीय खेल दिवस 2026" के अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने "खेलेगा भारत, जीतेगा भारत" विषय के तहत युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय के राष्ट्रव्यापी अभियान में गर्वपूर्वक भाग लिया। इस अभियान का प्रेरणादायक संदेश "एक घंटा खेल के मैदान में" है। 28 से 30 अगस्त, 2026 तक मनाए जा रहे राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 अभियान का आधार "श्रद्धांजलि, खेल और सक्रियता" के तीन स्तंभों पर है। इसका संदेश "एक घंटा खेल के मैदान में" नागरिकों को प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेल एवं शारीरिक गतिविधि के लिए समर्पित करने तथा फिटनेस को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करता है।

उत्साह और खेल भावना के साथ साइकिल रैली धर्मशाला से शुरू हुई और मरीना पार्क ट्रैफिक प्वाइंट, जीएसएसएस

गर्ल्स स्कूल, जेएनआरएम, फ्लैग प्वाइंट, मज़ार पहाड़ जंक्शन और साइंस सेंटर से होकर गुजरी। इसके बाद रैली

शेष पृष्ठ 4 पर

C M Y K

कुक्कुट पालन क्षेत्र में रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण में टीकाकरण के महत्व पर प्रशिक्षण संचालित

श्री विजय पुरम, 30 अगस्त।

दक्षिण अण्डमान के वंडूर ग्राम पंचायत में यूटी–एटीएमए 2026–27 के तहत पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग, दक्षिण अण्डमान द्वारा "कुक्कुट पालन क्षेत्र में रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण में टीकाकरण का महत्व" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 28 एवं 29 अगस्त, 2026 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

आईसीएआर–सीआईएआरआई एवं कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), श्री विजय पुरम के विषय विशेषज्ञों के साथ–साथ केंद्रीय हैचरी, डॉलीगंज तथा केंद्रीय पशुधन फार्म (सीएलएफ), डॉलीगंज के वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारियों ने तकनीकी सत्र आयोजित किए और प्रशिक्षण में भाग लेने वाले किसानों के साथ संवाद किया। श्री अधीर दास, ग्राम प्रधान, वंडूर ग्राम पंचायत ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और किसानों को वैज्ञानिक कुक्कुट पालन पद्धतियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रशिक्षण में समय पर टीकाकरण, प्रमुख कुक्कुट रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण, वैज्ञानिक स्वास्थ्य प्रबंधन, जैव सुरक्षा, स्वच्छता तथा सामान्य झुंड प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया। किसानों को कुक्कुट पालन में रोगों से होने वाले नुक़सान को कम करने तथा उत्पादकता बढ़ाने में निवारक स्वास्थ्य देखभाल के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की एक विशेष विशेषता कुक्कुटों में होने वाले प्रमुख संक्रामक रोगों पर दृश्य प्रस्तुति रही। तस्वीरों और अन्य दृश्य सामग्री के माध्यम से किसानों को सामान्य कुक्कुट रोगों के नैदानिक लक्षणों, उनकी शीघ्र पहचान, उपचार एवं प्रबंधन, निवारक उपायों तथा उचित टीकाकरण के महत्व से परिचित कराया गया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित करने के साथ हुआ। इस अवसर पर स्वस्थ एवं उत्पादक कुक्कुट झुंड बनाए रखने के लिए समय पर टीकाकरण, उचित जैव सुरक्षा उपायों तथा वैज्ञानिक प्रबंधन के महत्व पर ज़ोर दिया गया।

कच्छाल में डेयरी फार्म अपशिष्ट प्रबंधन एवं एज़ोला की तैयारी एवं खेती का प्रदर्शन

श्री विजय पुरम, 30 अगस्त।

यूटीएटीएमए के तहत पशु चिकित्सालय, कच्छाल के अधिकार क्षेत्र में कल कृषकों श्री एस. सैमसन एवं श्री विश्वेश्वर नाइक के खेतों पर दो प्रदर्शन कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

पहला प्रदर्शन 'डेयरी फार्म अपशिष्ट प्रबंधन' विषय पर केंद्रित था, जिसमें किसानों को गोबर तथा अन्य फार्म अपशिष्टों के उचित संग्रहण, प्रबंधन एवं उपयोग के बारे में जागरूक किया गया। डेयरी अपशिष्ट को कम्पोस्ट एवं जैविक खाद जैसे उपयोगी संसाधनों में परिवर्तित करने, फार्म परिसर में स्वच्छता बनाए रखने, दुर्गंध को कम करने तथा पर्यावरण प्रदूषण एवं रोगों के प्रसार को रोकने पर विशेष बल दिया गया।

दूसरा प्रदर्शन 'एज़ोला की तैयारी एवं खेती' विषय पर आयोजित किया गया, जिसमें किसानों को एज़ोला बेड तैयार करने, उपयुक्त वृद्धि परिस्थितियों, रखरखाव एवं कटाई की विधियों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। पशुधन एवं कुक्कुट के लिए पोषणयुक्त अनुपूरक आहार के रूप में एज़ोला के लाभों, विशेषकर इसकी प्रोटीन–समृद्ध प्रकृति तथा चारा लागत को कम करने की क्षमता के बारे में जानकारी दी गई।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि दोनों लाभार्थियों ने प्रदर्शन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा संसाधन व्यक्तियों के साथ संवाद कर इन कम लागत वाली एवं टिकाऊ पद्धतियों को अपनाने के संबंध में व्यावहारिक मार्गदर्शन प्राप्त किया।

वंडूर तट पर डीसी–एसपी कप अंतर–ग्राम ——————————पृष्ठ 1 का शेष

बारे में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया।

कार्यक्रम के समापन पर दक्षिण अण्डमान की पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्णायक मंडल के सदस्यों को उनके सम्माननीय योगदान और प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार वंडूर तट पर आयोजित डीसी–एसपी कप अंतर–ग्राम सांस्कृतिक प्रतियोगिता का दूसरा दिन जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी और प्रतिभागी पंचायतों की सराहनीय प्रस्तुतियों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डीसी–एसपी कप अंतर–ग्राम सांस्कृतिक प्रतियोगिता का फाइनल 5 सितंबर, 2026 को कार्बाइंस कोव तट पर आयोजित किया जाएगा।

विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक एवं समूह ——————————पृष्ठ 1 का शेष

लिटिल अण्डमान में विशेष रूप से उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखने को मिली, जहां नेताजी नगर में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों और समुदाय के सदस्यों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। जनता की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" अभियान के प्रति मजबूत सामुदायिक समर्थन को प्रदर्शित किया। प्रस्तुतियों को लोगों ने खूब सराहा और सुरक्षित, स्वस्थ एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण में सामूहिक ज़िम्मेदारी के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्वराज द्वीप के श्याम नगर पंचायत स्थित सामुदायिक भवन में भी किया गया, जहां स्थानीय सांस्कृतिक समूहों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी प्रस्तुतियां दीं।

अंतर–ग्राम स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता–डीसी–एसपी कप स्थानीय युवाओं और सांस्कृतिक समूहों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा कला एवं संस्कृति के माध्यम से जागरूकता फैलाने का अवसर प्रदान करती है। ऐसी पहलों के माध्यम से ज़िला प्रशासन का उद्देश्य जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना और युवाओं को नशा मुक्त युवा एवं विकसित भारत के संकल्प की दिशा में योगदान देने के लिए प्रेरित करना है।

मन की बातः माननीय प्रधानमंत्री ने पीएम ——————————पृष्ठ 1 का शेष

का क्षण प्रदान किया। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान ने देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया।

श्री मोदी ने कहा कि वंदेमातरम की 150वीं वर्षगांठ से यह वर्ष और भी विशेष बन गया। उन्होंने कहा कि इस बार आठ करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष सूर्यपथ तिरंगा पहल से राष्ट्रीय ध्वज ने संपूर्ण धरती की अद्भुत यात्रा की। उन्होंने कहा कि सुबह की पहली किरण के साथ तिरंगा फिजी के सुआ में फहराया गया। इसके बाद यह एशिया, अफ्रीका और यूरोप में भारतीय दूतावासों और अमरीका के सैन फ्रांसिस्को में भी फहराया गया।

श्री मोदी ने कहा कि अगले महीने की तीन तारीख को देश महानायक उत्तम कुमार की जन्मशती मनाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तम कुमार बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिनेता थे जिन्होंने अपने अभिनय से लोगों के दिलों में जगह बनाई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मेले और त्यौहार न केवल परंपराओं को जीवित रखते हैं बल्कि एक–दूसरे से जुड़ने का मौका भी देते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भारत में जन्माष्टमी और विश्वकर्मा पूजा पर्व मनाए जाएंगे।दिपावली भी कुछ महीनों में मनाई जाएगी और इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। उन्होंने लोगों से त्यौहारों के इस मौसम में वोकल फॉर लोकल बनने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वोकल फॉर लोकल का मतलब यह नहीं है कि आप केवल मिट्टी के दीए खरीदें। इसके पीछे बहुत व्यापक .ष्टि है। उन्होंने कहा कि भारत का आत्मनिर्भर बनने का मार्ग भारत में बने उत्पादों पर गर्व करने से ही प्रशस्त होगा। (स्रोतः आकाशवाणी)

पुरस्कार वितरण के साथ सप्ताहव्यापी राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 30 अगस्त।

मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर, जिसे 29 अगस्त, 2026 को राष्ट्रीय खेल दिवस (एनएसडी) के रूप में मनाया गया, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के खेल एवं युवा कार्य निदेशालय द्वारा "खेलेगा भारत–जीतेगा भारत" विषय के तहत 22 से 29 अगस्त, 2026 तक सप्ताहव्यापी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की श्रृंखला आयोजित की गई।

इन प्रतियोगिताओं का आयोजन स्कूली बच्चों, युवाओं एवं वयोवृद्ध खिलाड़ियों के लिए पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में किया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 समारोह के तहत आयोजित विभिन्न खेलों एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में 1,000 से अधिक खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सप्ताहभर चले इन खेल आयोजनों का सफलतापूर्वक समापन 29 अगस्त, 2026 को टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय सभागार, श्री विजय पुरम में आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के समापन समारोह के साथ हुआ। समारोह में श्री आदित्य सांगोत्रा, निदेशक (खेल/शिक्षा) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने आशीर्वचन संबोधन में उन्होंने द्वीपसमूह के वयोवृद्ध खिलाड़ियों की उत्कृष्ट आजीवन उपलब्धियों की सराहना की तथा राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के युवा उभरते प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और पदक विजेताओं को इन वयोवृद्ध खिलाड़ियों को आदर्श मानकर उनसे प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने उनसे द्वीपसमूह और राष्ट्र के हित में खेल भावना को आगे बढ़ाने तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया।

उन्होंने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में खेल अवसंरचना के चल रहे विकास पर भी प्रकाश डाला। इसमें श्री विजय पुरम में इंडोर साइक्लिंग वेलोड्रोम और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के विभिन्न क्षेत्रों में बहुउद्देशीय इंडोर खेल सभागार शामिल हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने तथा उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए बेहतर सुविधाएं एवं अवसर प्रदान करना है। समापन समारोह के दौरान विभिन्न खेलों एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों एवं खेल उत्कृष्टता के सम्मान में पदक एवं ट्रॉफियां प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह के माध्यम से खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को उजागर किया गया तथा युवा पीढ़ी को खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने और एक अधिक स्वस्थ एवं मजबूत राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सप्ताहव्यापी प्रतियोगिताओं के तहत बैडमिंटन पुरूष ओपन में आदित्य एवं गौतम विजेता, राहुल एवं तिरू उप विजेता, बैडमिंटन महिला ओपन में ए. अनीता और ए. रेचल विजेता, जी. लक्ष्मिता और देवेशी उप विजेता, बैडमिंटन पुरूष वयोवृद्ध में वी. रंजीत कुमार तथा तिरू विजेता, हबीब अहमद तथा मोहम्मद अरिफ उप विजेता, बैडमिंटन महिला वयोवृद्ध में डॉ. एस. प्रभावती तथा एम. प्रिसिला विजेता तथा राजलक्ष्मी दास और वी. लता उप विजेता, टेबल टेनिस पुरूष ओपन में अडवानी माइकल तथा वी. क्रांतिवीर विजेता और अलोक बोरा तथा नितीश कुमार उप विजेता, टेबल टेनिस महिला ओपन में जेस्सी तथा वी. वेंकटलक्ष्मी विजेता और रश्मि राहना तथा शरीन लाकड़ा उप विजेता, टेबल टेनिस पुरूष वयोवृद्ध में अनिल रेड्डी तथा याकूब विजेता और परदेशिया मुंडा तथा केएमबी जयापाल उप विजेता, टेबल टेनिस महिला वयोवृद्ध में जेस्सी तथा वी. वेंकटलक्ष्मी विजेता और मीना तिवारी तथा बिकास लता उप विजेता, वॉलीबॉल पुरूष ओपन में सेवाभारत विजेता और प्रभात उप विजेता, वॉलीबॉल महिला ओपन में वॉली गर्ल्स विजेता और चावरा, तरेसा उप विजेता, हॉकी पुरूष ओपन में कामराज विजेता और सीपीघाट उप विजेता हॉकी महिला ओपन में स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल विजेता और जेएनआरएम गर्ल्स उप विजेता, स्क्वैश पुरूष ओपन में अक्षय वधवा विजेता, मोहम्मद नियाज़ उप विजेता, स्नूकर मेन्स ओपन में गौतम लाल विजेता और वी. रघुपति उप विजेता, रोड रेस पुरूष ओपन में एस. जस्वंत, पार्थिव राम, जगदीश, रोड रेस महिला ओपन में पी. अलगम्मल, स्तुति, पी. सिरिशा, रोड रेस अंडर–18 लड़कों में पी. प्रदोष सी. राज, पी. शशि किरण, गणेश कुमार, रोड रेस अंडर–18 लड़कियों में नव संद्रिला, अर्पिता टोप्पो, संजना बाई, रोड साइकिल रेस पुरूष ओपन में के. दर्श, अशिम कुमार, विलियम तथा रोड रेस महिला ओपन में फेथ, अनुष्का लाल, नानिका साधक को क्रमशः प्रथम तीन स्थान प्राप्त हुआ।

समापन समारोह का मुख्य आकर्षण राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेल के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट आजीवन उपलब्धियों के सम्मान में निम्नलिखित तीन प्रतिष्ठित वयोवृद्ध खिलाड़ियों का सम्मान रहा। उनकी उल्लेखनीय आजीवन उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार हैः

1. श्री मोहम्मद असलम, सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक
2. श्री जॉय पिंटो, सेवानिवृत्त ब्लॉक खेल अधिकारी
3. श्रीमती जस्मती देवी, सेवानिवृत्त शारीरिक शिक्षा शिक्षिका

यहां प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार समारोह का समापन श्री वी. रंजीत कुमार, सहायक निदेशक (खेल एवं युवा कार्य) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

मध्योत्तर अण्डमान के 48 किसानों को मिलेगा प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण

श्री विजय पुरम, 30 अगस्त।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का कृषि विभाग उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के किसानों के लिए 1 से 3 सितंबर, 2026 तक आईसीएआर–कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), श्री विजय पुरम में प्राकृतिक खेती पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) के तहत कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (एटीएमए) के साथ समन्वय में आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य किसानों को ऐसी प्राकृतिक खेती पद्धतियों को अपनाने के लिए व्यावहारिक ज्ञान एवं प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करना है, जो कम लागत वाली, टिकाऊ तथा स्थानीय कृषि परिस्थितियों के अनुकूल हों।

उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 48 किसान इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इनमें से 44 किसान मायाबंदर क्षेत्र से हैं, जो वेबी एवं कर्माटांग एनएमएनएफ क्लस्टरों से संबंधित हैं।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि कार्यक्रम के दौरान किसानों को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले जैव–आदान की तैयारी एवं प्रयोग, फसल प्रबंधन पद्धतियों तथा एनएमएनएफ के अन्य महत्वपूर्ण घटकों के बारे में जागरूक किया जाएगा। व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों का उद्देश्य किसानों को यह समझने में सहायता करना है कि प्राकृतिक खेती की तकनीकों को वे अपने खेतों में किस प्रकार व्यावहारिक रूप से अपना सकते हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 : अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ——पृष्ठ 1 का शेष

उसी मार्ग से वापस लौटते हुए नेताजी स्टेडियम गेट पर संपन्न हुई। सुबह के समय एक साथ साइकिल चलाते साइकिल सवारों के दृश्य ने उत्साहपूर्ण वातावरण बनाया तथा फिटनेस, एकता और स्वस्थ जीवनशैली का सशक्त संदेश दिया।

कार्यक्रम में श्रीमती गीता रानी वर्मा, आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, श्रीमती नियति मित्तल, पुलिस अधीक्षक (एपीयू), श्री अंकेश यादव, उप पुलिस अधीक्षक (पीएमएफ) तथा श्री रंजीत कुमार, सहायक निदेशक खेल उपस्थित रहे। उन्होंने साइकिल रैली में प्रतिभागियों के साथ भाग लिया और सभी को सक्रिय, अनुशासित एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उनकी भागीदारी ने कार्यक्रम में प्रेरणा और उत्साह को और बढ़ाया।

80 से अधिक उत्साही साइकिल सवारों ने एक साथ साइकिल चलाकर कार्यक्रम में भाग लिया। इस आयोजन में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), युवा कार्यक्रम एवं खेल (वाईएएस) के साथ–साथ साइकिल सवारों और खेल प्रेमियों की सक्रिय सहभागिता एवं सहयोग रहा। सामूहिक भागीदारी ने फिटनेस, सौहार्द और सक्रिय जीवनशैली की भावना का उत्सव मनाया तथा इस संदेश को मजबूत किया कि खेल में बिताया गया प्रत्येक घंटा एक स्वस्थ और मजबूत भारत की दिशा में एक कदम है।

इस पहल का उद्देश्य साइकिल चलाने, शारीरिक फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली और खेलों में अधिक जनभागीदारी को बढ़ावा देना था। साथ ही, शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य दोनों को बनाए रखने के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि के महत्व को रेखांकित करना भी इसका उद्देश्य रहा। यह आयोजन इस बात की याद दिलाता है कि अधिक स्वस्थ और फिट समाज की शुरुआत सक्रिय जीवनशैली की दिशा में उठाए गए छोटे लेकिन निरंतर कदमों से होती है।

पुलिस अधीक्षक, सशस्त्र पुलिस इकाई से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार विभिन्न संगठनों के अधिकारियों एवं कर्मियों की भागीदारी ने खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के प्रति अंतर–विभागीय समन्वय, एकता और सामूहिक प्रतिबद्धता की भावना को प्रदर्शित किया। इस प्रकार की पहल न केवल पुलिस और जनता के बीच संबंधों को मजबूत करती है, बल्कि नागरिकों, विशेषकर युवाओं को बाहर निकलने, सक्रिय रहने और नियमित रूप से खेल एवं शारीरिक गतिविधियों में भाग लेकर स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए भी प्रेरित करती है।

इस आयोजन ने "खेलेगा भारत, जीतेगा भारत" की भावना तथा प्रेरणादायक संदेश "एक घंटा खेल के मैदान में" को सफलतापूर्वक प्रसारित किया और राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के राष्ट्रव्यापी उत्सव में उत्साहपूर्वक योगदान दिया।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

अनुबंध के आधार पर 02 वरिष्ठ/कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता (होमियो) की नियुक्ति

केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के अधीन नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्योपैथी), श्री विजय पुरम, विशुद्ध रूप से अनुबंध के आधार पर 02 वरिष्ठ/कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता (होमियो) नियुक्त करने का इच्छुक है, जिसमें 01 पद OBC के लिए और 01 पद SC के लिए आरक्षित है। इनका वेतन क्रमशः रु. 42,000/– प्रति माह प्लस एचआरए और रु. 37,000/– प्रति माह प्लस एचआरए होगा। यह चयन प्रक्रिया 15/09/2026 (मंगलवार) को सुबह 9.30 बजे से परीक्षा/वाक–इन–इंटरव्यू के माध्यम से किया जाएगा।

तैनाती के स्थान, आवश्यक योग्यता, अनुभव, पारिश्रमिक आदि का विवरण परिषद की वेबसाइट www.ccrhindia.nic.in पर उपलब्ध है।

प्रभारी अधिकारी
नैदानिक अनुसंधान इकाई (होम्योपैथी), श्री विजय पुरम

फा.सं. 10–1/2026–27/नै अ इ हो, श्री विजय पुरम/विविध/232, दिनांक 29.08.2026

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, श्री विजय पुरम

रिक्ति सूचना

सं. 3–5/स्वा.से.नि./2025/5077 दिनांक 28 अगस्त, 2026

स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, श्री विजय पुरम द्वारा कार्यग्रहण अवधि से छः माह की अवधि के लिए या नियमित पदधारी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, अनुबंध आधार पर निम्न पद के लिए साक्षात्कार' का आयोजन किया जाएगा।

पद का नाम	रिक्ति संख्या
ए.एन.एम.	51
प्रयोगशाला सहायक	14

अधिक विवरण के लिए योग्य उम्मीदवार प्रशासन की वेवसाईट https://andamannicobar.gov.in और https://dhs.andamannicobar.gov.in से जानकारी प्राप्त करें।

सहायक निदेशक (प्रशासन)

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

सं.: टीएन–डीबी/द.अ.म./अलोनिवि/2026–27/2005 दिनांक 27.08.2026

कार्यकारी अभियंता, दक्षिण अण्डमान प्रभाग, अलोनिवि श्री विजय पुरम द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह/मुख्यभूमि राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के अनुमोदित एवं पात्र ठेकेदारों से सड़क सुधार और पांच वर्षों तक उनके रखरखाव के लिए ऑनलाइन प्रतिशत दर निविदा/बोली (सीपीडब्ल्यूडी–7 प्रपत्र में) आमंत्रित करते हैं, चाहे वे अलोनिवि या किसी अन्य सरकारी विभाग में पंजीकृत हों या नहीं। यह इस शर्त के अधीन है कि ठेकेदारों को सीपीडब्ल्यूडी कार्य नियमावली के अनुसार संबंधित कार्य को निष्पादित करने का अनुभव हो और निम्नलिखित कार्यों के लिए उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल टिप्पणी न हो :

1. एनआईटी संख्या 08/एस ई/एसवीपीसीसी/2026–27

कार्य का नाम : दिलानिपुर जंक्शन से अण्डमान निकोबार कमांड तक सड़क की मरम्मत और सुधार का कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 1,43,90,680/–, बयाना राशि : रु. 2,87,814/–, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 06 (छह) महीने। और निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : 14/09/2026 के अपराहन 3.00 बजे।

निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

Tender ID: 2026_APWD_24460_1

कार्यकारी अभियंता,
दक्षिण अण्डमान मण्डल

शपथ पत्र

मैं, जे दिव्या प्रभा, पुत्री श्री एम जगन्नाथन, जो अभी क्वार्टर नंबर जीजी/50, टाइप–4, जेई, अलोनिवि, सिविल सेक्शन के सामने, खैतान कल्याण मंडपम के पास, गोलघर, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान जिला, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह–744103 में रहती हूँ, इसके द्वारा गंभीरता से पुष्टि और घोषणा करती हूँ कि :–

1. मेरे पासपोर्ट नंबर M8524665 में मेरी माँ का नाम 'एम ज्ञानमणि' दर्ज है, लेकिन मेरे जन्म प्रमाण–पत्र और शैक्षणिक पास प्रमाण–पत्रों (CBSE X और XII) उनका नाम 'जे ज्ञानमणि' दर्ज है। इसलिए, पासपोर्ट में मेरी माँ का नाम 'जे ज्ञानमणि' के रूप में दर्ज किया जाना आवश्यक है।
2. 'एम ज्ञानमणि' और 'जे ज्ञानमणि' दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं और ये मेरी माँ का नाम हैं।
3. मैं पासपोर्ट में अपनी माँ का सही नाम 'जे ज्ञानमणि' दर्ज करवाने के लिए यह शपथ पत्र दे रही हूँ।

ऊपर कही गई बातें मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही हैं।

दिनांक : 28.08.2026

शपथकर्ता

शपथ पत्र

मैं, SOURAB CHAKRABORTHY, पुत्र SUBIR CHAKRABORTHY, निवासी श्यामनगर, स्वराज द्वीप (हैवलॉक), श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान जिला, एतद्द्वारा सत्यापित एवं घोषित करता हूँ कि:

1. मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम त्रुटिवश SOURAB CHAKRABARTHY दर्ज है, जबकि मेरा सही नाम SOURAB CHAKRABORTHY है, जो मेरे जन्म प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में दर्ज है।
2. SOURAB CHAKRABARTHY एवं SOURAB CHAKRABORTHY एक ही व्यक्ति के नाम हैं।
3. यह घोषणा मेरे पासपोर्ट में नाम की वर्तनी सुधारने एवं सभी अधिकारिक प्रयोजनों हेतु की जा रही है।

उपरोक्त कथन मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही हैं।

स्थान : श्री विजय पुरम
दिनांक : 28/08/2026

शपथकर्ता

भारत ने अमेरिका और चीन के साथ आर्थिक साझेदारी में संतुलन बनाया

नई दिल्ली, 30 अगस्त (आईएएनएस)।

भारत ने 2026 के दौरान अमेरिका और चीन दोनों के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी में संतुलन बनाने में सफलता हासिल की है। भारत ने 2025 में वॉशिंगटन के साथ बढ़े टैरिफ विवाद का बातचीत के जरिए समाधान किया है और 2020 के सीमा संघर्षों के बाद पहली बार चीनी पूंजी पर लगाए गए प्रतिबंधों में नियंत्रित तरीके से ढील दी है। यह जानकारी एक आर्टिकल में दी गई।

आर्टिकल के मुताबिक, 2 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर बातचीत के दौरान भारतीय वस्तुओं पर पारस्परिक टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति जताई। साथ ही, रूसी तेल की खरीद से जुड़ा अतिरिक्त 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क भी पूरी तरह हटा दिया गया।

दोनों सरकारों ने सार्वजनिक रूप से दोहराया है कि टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भारत के साथ हुए इस समझौते पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

इसके बाद अमेरिका ने अलग से धारा 301 के तहत 10 प्रतिशत की ड्यूटी भी लगाई है। हालांकि, भारत के करीब 45 प्रतिशत निर्यात इसके दायरे से बाहर हैं। वहीं, क्वाट्र्ज सरफेस उत्पादों पर सेफगार्ड टैरिफ बढ़कर 55 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

जियोपॉलिटिकल मॉनिटर में आलोक कुमार कनोजिया के लेख के अनुसार, कुल मिलाकर टैरिफ व्यवस्था एक साल पहले की तुलना में अब कम और अधिक पूर्वानुमान योग्य है।

दूसरी तरफ, 10 मार्च को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रेस नोट 3 में संशोधन किया। यह 2020 का वह नियम था, जिसके तहत भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले सभी निवेश को अनिवार्य सरकारी मंजूरी की प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था।

हालांकि, इस संशोधन से चीन से प्रत्यक्ष निवेश का रास्ता पूरी तरह नहीं खोला गया है। इसके लिए अभी भी पहले से सरकारी मंजूरी जरूरी है।

लेकिन नए नियमों के तहत ऐसी कंपनियों के लिए ऑटोमैटिक रूट बनाया गया है, जिनमें चीनी लाभकारी स्वामित्व 10 प्रतिशत से कम और गैर– नियंत्रणकारी है। इसके अलावा, पूंजीगत वस्तुओं, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और पॉलीसिलिकॉन तथा इंगट–वेफर जैसे सौर ऊर्जा से जुड़े इनपुट सहित चुनिंदा विनिर्माण क्षेत्रों के लिए 60 दिनों की मंजूरी समयसीमा तय की गई है।

सरकार ने अगस्त के अंत तक बताया कि आसान नियमों के तहत 29 परियोजनाओं में करीब 4,896 करोड़ रुपए का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है। ये निवेश आईटी, फार्मास्युटिकल्स, डेटा सेंटर और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में हुआ है।

यह चीन के लिए पूरी तरह से दरवाजा खोलने के बजाय एक सीमित रास्ता है। हालांकि, इसके साथ ही चीन ने पिछले साल अगस्त में दुर्लभ मृदा चुंबक उर्वरकों और टनल बोरिंग मशीनों पर लगाए गए निर्यात प्रतिबंधों में ढील दी थी।

2026 के दौरान भारत और चीन के बीच सीमा वार्ता में भी तेजी आई है। इसका ताजा उदाहरण इस सप्ताह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की बीजिंग यात्रा है। यह पांच वर्षों में सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों के बीच पहली वार्ता के लिए हुई यात्रा थी। यह यात्रा अगले महीने नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले हुई है।

कोलकाता में होगा 'संपर्क' भारत–रूस द्विपक्षीय सम्मेलन, उद्योग, संस्कृति और ऊर्जा पर होगा मंथन

कोलकाता, 30 अगस्त (हि.स.)।

भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने और सहयोग के नए अवसर तलाशने के उद्देश्य से 'संपर्क–भारत–रूस द्विपक्षीय सम्मेलन 2026' का आयोजन आगामी 31 अगस्त को कोलकाता में होगा। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन के जरिए कोलकाता और पूर्वी भारत को भारत–रूस सहयोग के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश की जाएगी।

विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर के हॉल नंबर–5 में सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले सम्मेलन में भारत–रूस संबंधों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। सम्मेलन का मुख्य केंद्र बिंदु उद्योग, संस्कृति और ऊर्जा पर रहेगा। इसके साथ ही व्यापार, निवेश, तकनीक और आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच संभावनाओं पर भी विचार–विमर्श किया जाएगा। 'संपर्क' का उद्देश्य भारत–रूस संबंधों से जुड़ी चर्चा को पारंपरिक रणनीतिक केंद्रों से आगे बढ़ाकर कोलकाता और पूर्वी गलियारे तक लाना है। आयोजकों के अनुसार, पूर्वी भारत में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक सहयोग की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए यह सम्मेलन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

राहत सामग्री लेकर चौथा विमान भी पहुंचा काठमांडू, नेपाल के साथ खड़ा है भारत– विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 30 अगस्त।

नेपाल के कठिन समय में भारत अपनी ओर से मदद का हाथ लगातार बढ़ाए हुए है। नेपाल के लिए 11 टन राहत सामग्री लेकर चौथा भारतीय विमान काठमांडू पहुंच गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत इस मुश्किल घड़ी में नेपाल के साथ मजबूती से खड़ा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हम नेपाल के साथ मजबूती से खड़े हैं। नेपाल के लिए राहत सामग्री लेकर गया चौथा विमान 11 टन सहायता के साथ नेपाल पहुंच गया है और राहत सामग्री संबंधित अधिकारियों को सौंप दी गई है।

उन्होंने बताया कि इस सहायता में खोज और बचाव अभियान के लिए जरूरी उपकरणों के साथ सुरंग तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम शामिल है। इसके अलावा डीएनए जांच के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम भी भेजी गई है। राहत सामग्री में कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, प्लास्टिक शीट और स्वच्छता (हाइजीन) किट जैसी जरूरी चीजें शामिल हैं।

जायसवाल ने कहा कि भारत इस मुश्किल समय में नेपाल के साथ खड़ा है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। अब तक भारत की ओर से 68.5 टन राहत सामग्री हवाई मार्ग से काठमांडू पहुंचाई जा चुकी है। जिस दिन (26 अगस्त, 2026) अचानक बाढ़ आई, उसी दिन आईएएफ के सी–130जे हरक्यूलिस विमान ने 10 टन आपातकालीन राहत सामग्री जैसे कि अस्थायी आश्रय, कंबल, स्वच्छता किट, सौर लैंप और दवाइयां पहुंचाईं। अगले दिन सुबह, 27 अगस्त, 2026 को, आईएएफ के सी–17 ग्लोबमास्टर विमान ने 37.5 टन राहत सामग्री पहुंचाई, जिसमें 28.5 टन

तंबू, कंबल, स्वच्छता किट, सौर लैंप, जल निकासी पंप, रसोई सेट और जेनरेटर शामिल थे। आठ टन दवाइयां और एक टन खाद्य सामग्री।

इसके बाद, 28 अगस्त 2026 को, एक सी–130जे हरक्यूलिस विमान ने भारतीय सेना की 5 सदस्यीय सुरंग बचाव दल और 6 सदस्यीय चिकित्सा दल को एयरलिफ्ट कियाय साथ ही पोर्टेबल जेनरेटर, डिग्निटी किट, भोजन, जल शोधन की गोलियां और दवाइयां सहित 10 टन अतिरिक्त सामग्री भी भेजी। प्रभावित क्षेत्र में सुरंग बचाव कार्य में सहायता के लिए तकनीकी दल ने आज से काम शुरू कर दिया है।

इसके अतिरिक्त भारत नेपाल में क्षतिग्रस्त पुलों के निर्माण में भी मदद कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि 230 फुट लंबे सिंगल लेन मॉड्यूलर स्टील ब्रिज के निर्माण के लिए आवश्यक उपकरण लेकर 16 ट्रक नेपाल पहुंच चुके हैं। इसके अलावा सात और बेली ब्रिज लगाने के लिए जरूरी उपकरण भी जल्द भेजे जाएंगे। इन पुलों को स्थापित करने वाली तकनीकी टीमें भी जल्द नेपाल पहुंचेंगी।–(आईएएनएस)

इतिहास के पन्नों में 31 अगस्तः आज ही के दिन पारित हुआ था 'राज्य पुनर्गठन अधिनियम'

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)।

आजाद भारत के एकजुट करने की दिशा में 31 तारीख का दिन इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। आजादी के बाद भारत के सामने देश की विविधता को एकता के सूत्र में बांधे रखने की बड़ी चुनौती थी। रियासतों के एकीकरण के बाद भाषा के आधार पर अलग राज्यों की मांग तेज होने लगी। इसी मांग ने देश के प्रशासनिक और राजनीतिक नक्शे को नए सिरे से तय करने की प्रक्रिया शुरू की।

इस मुद्दे पर जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल और पट्टाभि सीतारमैया की जेवीपी समिति बनाई गई। समिति ने तत्काल भाषाई आधार पर राज्यों के गठन का समर्थन नहीं किया और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देने की बात कही। बाद में न्यायमूर्ति एस.के. धर की अध्यक्षता में आयोग गठित हुआ, जिसने राज्यों के पुनर्गठन के लिए मुख्य रूप से प्रशासनिक आधार को उचित माना। लेकिन राज्यों के पुनर्गठन की मांग लगातार बढ़ती रही। इसके बाद दिसंबर 1953 में फजल अली की अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग बनाया गया। आयोग ने देश की भाषाई, सांस्कृतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों का अध्ययन कर 1955 में अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसकी सिफारिशों पर विचार के बाद संसद ने 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम पारित किया।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1881 – अमेरिका में पहली बार टेनिस चैंपियनशिप खेला गया।

1920– अमेरिकी शहर डेट्रायट में रेडियो पर पहली बार समाचार प्रसारित।

1956– भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने राज्य पुनर्गठन विधेयक को मंजूरी दी।

1957– मलेशिया ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त कर ली।

1959– अमेरिकी बेसबॉल खिलाड़ी सैंडी कुफैक्स ने एक नेशनल लीग रिकॉर्ड बनाया।

1962– कैरेबियाई देश टोबैगो एवं त्रिनिदाद ब्रिटेन से स्वतंत्र हुए।

1964– कैलिफोर्निया आधिकारिक रूप से अमेरिका का सबसे अधिक जनसंख्या वाला प्रांत बना।

1968– भारत में टू–स्टेज राउंडिंग रॉकेट रोहिणी–एमएसवी 1 का सफल प्रक्षेपण किया गया।

1983– भारत के उपग्रह इनसेट–1 बी को अमेरिका के अंतरिक्ष शटल चैलेंजर से प्रसारित किया गया।

1991 – उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान ने सोवियत संघ से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।

1996 – ब्रिटेन की लेबर पार्टी ने भी भारत की तर्ज पर सी.टी.बी.टी. के उस प्रावधान का विरोध किया, जिसमें निरस्त्रीकरण सम्मेलन के सदस्य देशों को संधि पर हस्ताक्षर करना आवश्यक है।

1997 – ब्रिटेन की राजकुमारी और राजकुमार चार्ल्स की पूर्व पत्नी डायना की पेरिस में कार दुर्घटना में मृत्यु।

कलम की बेबाक आवाज अमृता प्रीतम, जिन्होंने अपनी शर्तों पर लिखी समाज की बंदिशें तोड़ने की कहानी

नई दिल्ली, 30 अगस्त।

कुछ लोग लिखते हैं ताकि उनकी बातें कागज पर दर्ज हो जाएं, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जिनकी लिखी हुई बातें लोगों के दिल में उतर जाती है। अमृता प्रीतम उन्हीं चुनिंदा लेखकों में से एक थीं। उन्होंने सिर्फ कविताएं और कहानियां नहीं लिखीं, बल्कि अपने समय की औरत के मन, उसके दर्द, प्रेम, अकेलेपन और सपनों को शब्द दिए। उन्होंने जिंदगी को भी उसी बेबाकी से जिया, जिस बेबाकी से लिखा। समाज की बनाई लकीरों को मानने के बजाय उन्होंने अपनी राह खुद चुनी।

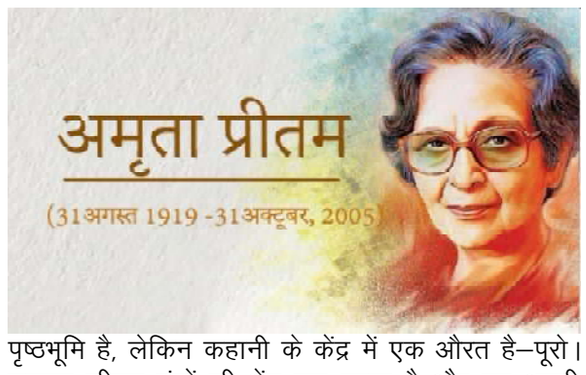

31 अगस्त 1919 को तत्कालीन पंजाब के गुजरांवाला में जन्मीं अमृता प्रीतम का बचपन आसान नहीं था। महज 11 साल की उम्र में उन्होंने अपनी मां को खो दिया। इस कमी ने उनके भीतर एक गहरी तन्हाई पैदा की और इसी तन्हाई में कागज और कलम उनके साथी बन गए। छोटी उम्र से ही उन्होंने लिखना शुरू कर दिया था। महज 16 साल की उम्र में उनका पहला कविता संग्रह 'अमृत लहरें' प्रकाशित हुआ।

उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ आया 1947 के बंटवारे के समय। लाहौर उनका अपना शहर था, लेकिन हिंसा और दंगों ने लाखों लोगों की तरह उन्हें भी अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया। इसी सफर में उनके भीतर से निकली कविता 'अज्ज आखां वारिस शाह नूं' ने बंटवारे के दर्द को ऐसी आवाज दी, जिसे भारत और पाकिस्तान दोनों तरफ सुना गया। इस कविता में उन्होंने खास तौर पर उन औरतों की पीड़ा को सामने रखा, जो बंटवारे की हिंसा में अपना घर, परिवार और सम्मान तक खो बैठी थीं।

अमृता की लेखनी की खासियत यही थी कि वह बड़े से बड़े सामाजिक मुद्दे को इंसानी भावनाओं के जरिए सामने रखती थीं। उनके चर्चित उपन्यास पिंजर में भी बंटवारे की पृष्ठभूमि है, लेकिन कहानी के केंद्र में एक औरत है–पूरो। उसका जीवन दंगों की भेंट चढ़ जाता है और वह अपनी पहचान, परिवार और सपनों के बीच फंस जाती है। अमृता ने पूरो के जरिए सिर्फ एक लड़की की कहानी नहीं कही, बल्कि उन हजारों महिलाओं की आवाज को शब्द दिए, जिनकी जिंदगी बंटवारे की हिंसा में बदल गई थी।

अमृता ने अपने लेखन में औरत को सिर्फ किसी रिश्ते की पहचान के रूप में नहीं देखा। उनकी कहानियों और कविताओं में औरत अपनी इच्छाओं, फैसलों और भावनाओं के साथ मौजूद है। यही बात उन्हें अपने दौर से आगे की लेखिका बनाती है। उन्होंने समाज के उन नियमों पर सवाल उठाए, जिन्हें अक्सर बिना सोचे–समझे स्वीकार कर लिया जाता था। अमृता प्रीतम को साहित्य अकादमी पुरस्कार, ज्ञानपीठ पुरस्कार, पद्मश्री और पद्मविभूषण जैसे सम्मान मिले, लेकिन उनकी असली पहचान किसी पुरस्कार से बड़ी थी। वह उन पाठकों के दिल में बसीं, जिन्हें उनके शब्दों में अपना दर्द, अपना प्रेम और अपना संघर्ष दिखाई दिया। 31 अक्टूबर 2005 को अमृता प्रीतम ने दुनिया को अलविदा कहा, लेकिन उनकी कलम की आवाज आज भी सुनाई देती है।–(आईएएनएस)

क्या आपकी डाइट में पर्याप्त कैल्शियम है? जानिए स्रोत, फायदे और रोजाना कितनी जरूरत

नई दिल्ली, 30 अगस्त।

हमारे शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है और कैल्शियम उनमें से एक बेहद जरूरी खनिज है। आमतौर पर कैल्शियम का नाम सुनते ही सबसे पहले हड्डियों और दांतों का ख्याल आता है, लेकिन इसकी भूमिका सिर्फ इतनी ही नहीं है। इसलिए रोज की डाइट में पर्याप्त कैल्शियम लेना जरूरी है।

कैल्शियम हमारी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में मौजूद कैल्शियम का बड़ा हिस्सा हड्डियों और दांतों में संग्रहित रहता है। इसके अलावा यह मांसपेशियों के सही तरीके से काम करने में मदद करता है। दिल की सामान्य धड़कन और रक्त के थक्के बनने की प्रक्रिया में भी कैल्शियम की भूमिका होती है।

कैल्शियम की जरूरत सिर्फ बच्चों को बढ़ती हड्डियों के लिए नहीं, बल्कि हर उम्र के व्यक्ति को होती है। उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की मजबूती बनाए रखने के लिए भी पर्याप्त कैल्शियम और संतुलित आहार जरूरी है। कैल्शियम पाने के लिए हमेशा सप्लीमेंट की जरूरत हो, ऐसा नहीं है। संतुलित डाइट के जरिए भी इसे हासिल किया जा सकता है। दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही और पनीर कैल्शियम के अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

इसके अलावा सोयाबीन, बादाम, दालें, अंजीर, मूली, गाजर और हरी पत्तेदार सब्जियों को भी अपनी डाइट में शामिल किया जा सकता है। अलग–अलग खाद्य पदार्थों को मिलाकर खाने से डाइट ज्यादा पौष्टिक और संतुलित बनती है। सिर्फ कैल्शियम खाना ही काफी नहीं है। शरीर कैल्शियम को अच्छी तरह अवशोषित कर सके, इसके लिए विटामिन–डी भी महत्वपूर्ण है। इसलिए कैल्शियम युक्त भोजन के साथ विटामिन–डी के पर्याप्त स्रोतों और स्वस्थ जीवनशैली पर भी ध्यान देना चाहिए।

आम तौर पर वयस्कों के लिए कैल्शियम की दैनिक आवश्यकता लगभग 1.0 से 1.5 ग्राम प्रतिदिन बताई जाती है। हालांकि वास्तविक जरूरत उम्र, लिंग और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार अलग–अलग हो सकती है। इसलिए अपनी व्यक्तिगत जरूरत के लिए डॉक्टर या डाइटीशियन की सलाह लेना बेहतर है।–(आईएएनएस)

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल'– खेल मंत्री ने युवाओं को दी खेल गतिविधियों में सक्रिय होने की सलाह

नई दिल्ली, 30 अगस्त (आईएएनएस)।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल इवेंट' का आयोजन नई दिल्ली में हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने हिस्सा लिया। इस दौरान मांडविया ने युवाओं से स्क्रिन से दूर रहने और खेल गतिविधियों में शामिल होकर फिट रहने की सलाह दी।

मीडिया से बात करते हुए श्री मांडविया ने कहा, संडे ऑन साइकिल का 88वां एडिशन है। देश भर में 25,000 से ज्यादा पर इसे आयोजित किया गया है। साइकिल चलाने का क्रेज पूरे देश में बढ़ रहा है, और संडे ऑन साइकिलश धीरे–धीरे लोगों के बीच एक पैशन बनता जा रहा है। साइकिल चलाना कसरत का एक बेहतरीन तरीका है। इससे प्रदूषण नियंत्रित हो सकता है, हम फिट रह सकते हैं, और ट्रैफिक की समस्या समाप्त हो सकती है। युवाओं को हर दिन एक घंटे के लिए मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से दूर रहते हुए साइकिल चलाने और किसी खेल में हिस्सा लेते हुए खुद को फिट रखने की कोशिश करनी चाहिए।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज और मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर भी फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल इवेंट में शामिल हुए। मीडिया से बात करते हुए गंभीर ने कहा, सरकार के द्वारा आयोजित किया जाने वाला फिट इंडिया अभियान एक बेहतरीन पहल है। मेरा मानना है कि देश जितना स्वस्थ रहेगा, उतना ही मजबूत और आत्मनिर्भर रहेगा।

उन्होंने कहा, फिट इंडिया को एक इवेंट नहीं, बल्कि एक अभियान के नजरिए से देखा जाना चाहिए। युवा या जितने

भी लोग इस अभियान से जुड़े हैं, उन्हें कोशिश करनी चाहिए कि इसे देश भर में फैलाएं और लोगों को फिटनेस के बारे में जागरूक करें। एक स्वस्थ और फिट देश ही मजबूत देश हो सकता है।

दिल्ली के जवाहर लाल नेहरु स्टेडियम में आयोजित फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल इवेंट में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। इन प्रतिनिधियों को आयोजकों ने सम्मानित किया। मुख्य अतिथि के रूप में गौतम गंभीर के अलावा, मशहूर पहलवान और अभिनेता संग्राम सिंह, अभिनेत्री मुधरिमा तुली शामिल हुए। आयोजकों ने अतिथियों को फूल और बुके देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हर उम्र वर्ग के लोगों ने हिस्सा लिया। साइकलिंग के अलावा कई अन्य खेल गतिविधियों का आयोजन भी किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना था।–आईएएनएस

'विकसित भारत' की यात्रा हर मोहल्ले, हर बस्ती और हर परिवार तक पहुंचनी चाहिए–रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 30 अगस्त (आईएएनएस)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह का कहना है कि विकसित भारत की यात्रा बड़े शहरों से शुरू होकर हर मोहल्ले, हर बस्ती और हर परिवार तक पहुंचनी चाहिए। बदलाव केवल इमारतों में नहीं होना चाहिए, हमारी पहचान में भी होना चाहिए। रक्षा मंत्री का कहना था कि आज भारत विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा, विकसित भारत का अर्थ केवल बड़ी–बड़ी परियोजनाएं और आधुनिक इमारतें नहीं हैं। विकसित भारत का अर्थ है कि जब बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा मिले, जब किसी परिवार के घर में साफ पानी पहुंचे, जब किसी युवा को खेलने और अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिले और जब किसी दिव्यांग बच्चे को यह महसूस न हो कि वह समाज से पीछे है। यही विकास है।

रक्षा मंत्री ने रविवार को लखनऊ कैंटोनमेंट में विकास से जुड़ी अनेक परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह को संबोधित किया। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ छावनी में हो रहा यह विकास केवल ईंट, सीमेंट, और मशीनों का विकास नहीं हैय यह लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास है। कहीं घर तक पानी पहुंचाने का प्रयास है, कहीं बच्चे को शिक्षा और अवसर देने का प्रयास है, कहीं जरूरतमंद को इलाज उपलब्ध कराने का प्रयास है, और कहीं युवाओं को खेल तथा भविष्य की नई दिशा देने का प्रयास है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ छावनी परिषद ने ब्रिटिश काल से चले आ रहे कुछ बाजारों के नाम बदलकर उन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम, सामाजिक चेतना और राष्ट्रसेवा से जुड़े महान व्यक्तित्वों के नाम दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा, आज का दिन लखनऊ छावनी के लिए बड़ा महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि आज हम लगभग 101

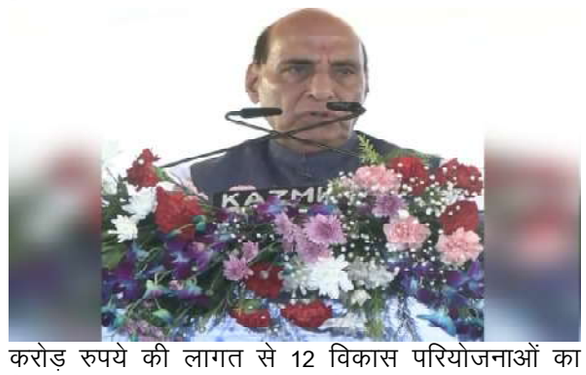

करोड़ रुपये की लागत से 12 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास कर रहे हैं। ये 12 परियोजनाएं 12 संकल्प हैं, एक बेहतर छावनी का संकल्प, एक स्वच्छ छावनी का संकल्प, बेहतर जलापूर्ति का संकल्प, बच्चों के बेहतर भविष्य का संकल्प, युवाओं को खेल के बेहतर अवसर देने का संकल्प, सम्मानजनक नागरिक सुविधाओं का संकल्प और आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ती हुई छावनी का संकल्प।

रक्षामंत्री ने कहा कि उन्हें प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश सरकार, रक्षा मंत्रालय, और उद्योग जगत मिलकर विकास के इस कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं। जब केंद्र और राज्य सरकार की सोच एक दिशा में चलती है, तो विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा कि वह लखनऊ छावनी परिषद की पूरी टीम की सराहना करना चाहते हैं। लखनऊ छावनी परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों ने यह दिखाया है कि यदि सोच स्पष्ट हो, लक्ष्य स्पष्ट हो और काम करने की इच्छा हो, तो सीमित संसाधनों के बीच भी बड़े परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने अपेक्षा की कि यही गति आगे भी बनी रहेगी।–आईएएनएस

उपभोक्ता मामले विभाग ने विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली, 30 अगस्त।

उपभोक्ता मामले विभाग ने 27 अगस्त 2026 को विधिक मापविज्ञान(भारतीय मानक समय) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी की है। यह नियम आधिकारिक राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि से 180 दिनों के बाद लागू होंगे। यह नियम कानूनी, प्रशासनिक, व्यावसायिक और अन्य आधिकारिक उद्देश्यों के लिए पूरे देश में भारतीय मानक समय(आईएसटी) को एक समान समय संदर्भ प्रदान करता है। 180 दिनों की अवधि से सरकारी विभागों, व्यवसायों, संस्थानों और अन्य संगठनों को नियमों के लागू होने से पहले अपनी प्रणालियों में आवश्यक बदलाव करने का अवसर मिलेगा।

डिजिटल और प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों के बढ़ते उपयोग के साथ एक समान समय संदर्भ की आवश्यकता काफी बढ़ गई है। बैंकिंग और डिजिटल भुगतान, दूरसंचार, रेलवे, विद्युत प्रणाली, कंप्यूटर नेटवर्क और सरकारी रिकॉर्ड सटीक समय और टाइम स्टैम्प पर निर्भर करते हैं। समय के विभिन्न स्रोतों के बीच अंतर इन गतिविधियों के समन्वय और रिकॉर्डिंग को प्रभावित कर सकता है। इन नियमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश भर की महत्वपूर्ण प्रणालियाँ सटीक और एकसमान भारतीय मानक समय(आईएसटी) का उपयोग करें।

साझा समय संदर्भ से निम्नलिखित में सहायता मिलेगी:

बैंकिंग और डिजिटल भुगतान लेनदेन की सटीक टाइम–स्टैम्पिंग;

रेलवे, हवाई अड्डों और अन्य परिवहन प्रणालियों का समन्वय;

दूरसंचार और इंटरनेट नेटवर्क का विश्वसनीय संचालन;

विद्युत प्रणालियों में सटीक समय–पालन;

सरकारी और कानूनी रिकॉर्ड का रखरखाव; और

आपातकालीन और अन्य समय–संवेदनशील सेवाओं का समन्वय।

भारतीय समय स्रोतों का उपयोग।

जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक 12 सितंबर को नई दिल्ली में होगी

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)।

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक 12 सितंबर को होगी। ये बैठक करीब एक साल बाद होने जा रही है। नई दिल्ली में आयोजित होने जा रही इस बैठक में आईटीसी से जुड़े मामलों में राहत और नियमों में बदलाव पर विचार संभव है।

परिषद सचिवालय की ओर से शनिवार को जारी आधिकारिक सूचना के अनुसार जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक नई दिल्ली में 11 बजे से आयोजित होनी है। इससे एक दिन पहले 11 सितंबर को अधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। जीएसटी परिषद की 57वीं बैठक में ऐसे कारोबारियों के लिए जीएसटी पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल करने पर चर्चा होने की संभावना है, जो हर महीने 2.5 लाख रुपये से अधिक का 'कर क्रेडिट' आगे देते हैं। फिलहाल देश में करीब 1.68 करोड़ कारोबार जीएसटी के तहत पंजीकृत हैं।

जीएसटी परिषद की बैठक एक साल से अधिक समय के बाद होने जा रही है। इससे पहले जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक तीन–चार सितंबर, 2025 को हुई थी। बैठक में केंद्र और राज्यों ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों और कर स्लैब में कई बड़े बदलाव का फैसला किया था।

उल्लेखनीय है कि 22 सितंबर, 2025 से जीएसटी का स्ट्रक्चर दो–स्तरीय (5 फीसदी और 18 फीसदी) हो गया है, और अल्ट्रा–लक्ज़री व 'सिन गुड्स' (नुकसानदेह चीजों) के लिए सबसे ज़्यादा 40 फीसदी की दर देश में लागू है। इसने 1 जुलाई, 2017 से लागू 5फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी वाले चार स्लैब की जगह ले ली है।

पुरुषों और महिलाओं पर अलग–अलग तरह से अटैक करती है डायबिटीज, नई स्टडी में खुलासा

नई दिल्ली, 30 अगस्त।

महिला और पुरुष की जैविक सरंचना अलग होने से उनमें बीमारियों के भी अलग–अलग प्रकार ज्यादा हावी होते हैं। महिलाएं मोटापे, थायरॉइड और ब्रेस्ट कैंसर जैसी बीमारियों के प्रति ज्यादा संवेदनशील होती हैं तो वहीं पुरुषों में हाई बीपी, डायबिटीज जैसी बीमारियां ज्यादा देखी जाती हैं। इसी संबंध में हाल ही में एक स्टडी की गई है, जिसके केंद्र में डायबिटीज है।

यह स्टडी कहती है कि महिलाओं और पुरुषों में डायबिटीज को लेकर अलग–अलग असर देखने को मिलता है क्योंकि जहां एक तरफ महिलाएं मेंटल हेल्थ से जुड़ी बीमारियों के प्रति संवेदनशील है तो वहीं पुरुषों में दूसरी बीमारियों का जोखिम है।

स्टडी के अनुसार, डायबिटीज का जैसे ही पता चलता है उसके बाद महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं होने की आशंका अधिक होती है, जबकि पुरुषों में दिल और किडनी से जुड़ी समस्याओं का खतरा अधिक रहता है।

शोधकर्ताओं ने कहा कि महिला और पुरुष इन स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव अलग–अलग तरह से करते हैं, लेकिन टाइप–2 डायबिटीज वाले लोगों में लिंग और उम्र के आधार पर बीमारी के बढ़ने के तरीके के बारे में अभी तक कोई शोध नहीं किया गया है।

बताते चलें कि ब्रिटेन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी एवं अन्य शोधकर्ताओं के अध्ययन का निष्कर्ष प्लोस मेडिसिन

नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इसने साल 2010 से 2020 के बीच टाइप–2 डायबिटीज विकसित होने वाले लगभग 28,720 पुरुषों और महिलाओं के स्वास्थ्य रिकॉर्ड का गहन विश्लेषण किया। रोग का पता चलने के बाद के वर्षों में प्रतिभागियों में से 39 प्रतिशत ने कम से कम एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य घटना का अनुभव किया, जिसमें पाया गया कि घटना की प्रगति और समय लिंग के अनुसार अलग–अलग थी।

इसके बाद शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि बीमारी का पता चलने के बाद महिलाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं होने की आशंका अधिक थी जो कि 5.3 प्रतिशत की तुलना में 8.1 प्रतिशत है और उनकी स्थिति ऐसी होती गई जिससे अंत में मौत हो गई। जबकि पुरुषों में हृदय रोग (5.3 प्रतिशत के मुकाबले 8.4 प्रतिशत), अंतिम चरण की गुर्दे की बीमारी और हाइपरटेंशन की उच्च दरें थीं।

देशभर में कड़ी सुरक्षा और रियल टाइम निगरानी के बीच सफलतापूर्वक आयोजित हुई नीट–पीजी 2026

नई दिल्ली, 30 अगस्त (हि.स.)।

राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) ने रविवार को देशभर में नीट–पीजी 2026 परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया। 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 339 शहरों में 1,111 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में 2.65 लाख से अधिक उम्मीदवार शामिल हुए। परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक निगरानी, तकनीकी सुरक्षा और रियल टाइम मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई थी। हालांकि, जयपुर के दो परीक्षा केंद्रों पर तकनीकी बाधा के कारण 2,445 उम्मीदवारों की परीक्षा पूरी नहीं हो सकी, जिनकी पुनर्परीक्षा 5 सितंबर को आयोजित की जाएगी।

एनबीईएमएस के अनुसार, नीट–पीजी 2026 के लिए कुल 2,73,096 उम्मीदवार पंजीकृत थे। इनमें से 2,65,980 उम्मीदवार परीक्षा में उपस्थित हुए। लगभग 2,63,535 उम्मीदवारों की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। देशभर में एक साथ आयोजित की गई इस परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और निगरानी की विशेष व्यवस्था की गई थी।

परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए देशव्यापी निगरानी तंत्र तैयार किया गया था। परीक्षा संचालन की निगरानी के लिए 2,527 संकाय सदस्यों को स्वतंत्र एग्रेजर के रूप में तैनात किया गया। इसके अलावा डीन, निदेशक, चिकित्सा अधीक्षक और वरिष्ठ प्रोफेसरों समेत 700 से अधिक वरिष्ठ संकाय सदस्यों को फ्लाइंग स्क्वाड में शामिल किया गया था। इन टीमों ने परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं और परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी की।

समन्वय और निगरानी को मजबूत करने के लिए देशभर में एनबीईएमएस के 16 क्षेत्रीय कमांड सेंटर सक्रिय किए गए। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए लाइव निगरानी की व्यवस्था की गई थी। इन कैमरों से मिलने वाली लाइव फीड की एनबीईएमएस के द्वारका स्थित मुख्यालय से लगातार निगरानी की गई। इससे परीक्षा प्रक्रिया पर केंद्रीय स्तर से भी नजर रखी गई।

रियल टाइम निगरानी और परीक्षा प्रक्रिया की देखरेख के लिए एनबीईएमएस और टीसीएस के 190 कर्मियों की विशेष टीम तैनात की गई थी। एनबीईएमएस मुख्यालय में स्थापित समर्पित कमांड सेंटर से एनबीईएमएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, बीईएल, ईसीआईएल और टीसीएस के अधिकारियों ने पूरे दिन परीक्षा प्रक्रिया पर करीबी नजर रखी।

परीक्षा में किसी भी प्रकार के फर्जीवाड़े और अनियमितता को रोकने के लिए उम्मीदवारों का आधार आधारित प्रमाणीकरण भी किया गया। परीक्षा केंद्रों पर पहचान सत्यापन की प्रक्रिया के साथ तकनीकी निगरानी व्यवस्था को लागू किया गया, ताकि परीक्षा की विश्वसनीयता और पारदर्शिता बनाए रखी जा सके।

क्या आप जानते हैं 'हरियाणा' का असली मतलब? 5000 साल पुराने इतिहास और देसी खान–पान से जुड़ी है इसकी खासियत

नई दिल्ली, 30 अगस्त।

भारत की राजधानी दिल्ली के बगल में बसा हरियाणा खेती और खेल प्रतिभाओं के लिए जाना जाता है। इस राज्य का नाम भी काफी दिलचस्प है। हरियाणा हरी और अयाना से मिलकर बना है, जिसका मतलब होता है भगवान का घर। इस राज्य ने कई ऐसी प्रतिभाएं देश को दी है, जिन्होंने आगे चलकर देश का नाम रोशन किया है। हालांकि, इस राज्य की खासियत यहीं खत्म नहीं होती। हरियाणा की संस्कृति, कला और खान–पान की भी अपनी निराली बात है। आइए जानें इस राज्य में क्या खास है।

हरियाणा का इतिहास वैदिक काल से जुड़ा है। कुरुक्षेत्र की भूमि इसी राज्य में है, जहां महाभार का युद्ध लड़ा गया था और भगवान कृष्ण ने अर्जुन को गीता का संदेश दिया था। यहां के ब्रह्म सरोवर, ज्योतिसर और सन्निहित सरोवर अध्यात्म का केंद्र हैं। हिसार जिले के राखीगढ़ में सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा पुरातात्विक क्षेत्र है, जो यहां के इतिहास की कहानी सुनाता है।

मुगल काल से जुड़ी तीन सबसे बड़ी लड़ाइयां यहां के पानीपत में लड़ी गई थीं। वहीं फरीदबाद में तोमर वंश का बनाया ऐतिहासिक सूरजकुंड है। फरीदाबाद में हर साल सूरजकुंड मेला भी लगता है, जहां दुनियाभर के कारीगर अपनी हस्त और शिल्पकला को पेश करते हैं।

हरियाणा के खाने में घी, दूध, दही और मक्खन का भरपूर इस्तेमाल होता है। यहां मोटे अनाज की रोटियां भी खूब बनती हैं, जैसे बाजरे और की रोटी। इसके अलावा,

बथुए का रायता और हरा चना भी यहां बड़े चाव से खाया जाता है। खाने में भरपूर मात्रा में नूनी घी और साथ में लस्सी या छाछ जरूर शामिल किया जाता है। रोहतक की रेवड़ी और गजक और गोहाना की जलेबी और गोंद के लड्डू, इस राज्य की पारंपरिक मिठाइयां हैं।

हरियाणा की संस्कृति यहां की खेती और सादे जीवन से जुड़ी है। यहां के लोकगीतों में रागिणी शामिल है, जिसमें संवाद शैली में गाना गाया जाता है। हरियाणा के लोक नृत्यों में लूर, फाग और घूमर शामिल हैं। सांग यहां का मशहूर संगीत–नाटक कला है, जो बेहद मजेदार होता है।

पुरुषों के पहनावे की बात करें, तो सफेद या हल्के रंग की धोती और कुर्ता पहनते हैं और सिर पर पगड़ी पहनते हैं। वहीं महिलाएं रंग–बिरंगा घेरदार दामण, कुर्ती और ओढ़नी पहनती हैं। इसके साथ वे पारंपरिक गहने, जैसे बोरला और हंसली भी पहनती हैं।

पीली हल्दी से अलग है नीली हल्दी, जानें इस दुर्लभ जड़ के 5 संभावित फायदे

नई दिल्ली, 30 अगस्त।

हल्दी भारतीय रसोई का ऐसा मसाला है, जिसका इस्तेमाल सदियों से खाने के साथ–साथ पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता रहा है। आमतौर पर हम सभी पीली हल्दी यानी Curcuma longa के बारे में जानते हैं, लेकिन हल्दी की एक दुर्लभ प्रजाति ऐसी भी है जिसका रंग अंदर से नीला–काला दिखाई देता है। इसे नीली हल्दी या काली हल्दी कहा जाता है। इसका वानस्पतिक नाम Curcuma caesia है।

पीली हल्दी के मुकाबले नीली हल्दी की जड़ का रंग भी गहरा नीला या नीला–काला होता है और इसकी खुशबू भी काफी अलग होती है। इसमें कपूर जैसी तेज और हल्की कड़वी सी सुगंध होती है। इस हल्दी का इस्तेमाल रोजाना खाना पकाने के लिए नहीं किया जाता, बल्कि नीली हल्दी का इस्तेमाल पारंपरिक चिकित्सा और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में किया जाता है।

नीली हल्दी का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से शरीर में इंफ्लेमेशन और जोड़ों की समस्या में किया जाता रहा है। हालांकि पीली हल्दी में मौजूद करक्यूमिन पर कहीं अधिक शोध उपलब्ध हैं, नीली हल्दी में भी कई प्राकृतिक यौगिक पाए जाते हैं जिनमें मुख्य रूप से एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं।

नीली हल्दी में मौजूद कुछ प्राकृतिक यौगिक में प्रयोगशाला अध्ययन के दौरान रोगाणुरोधी गुण पाए गए है। इसी वजह से पारंपरिक उपचारों में हल्दी की विभिन्न प्रजातियों का

इस्तेमाल त्वचा की छोटी–मोटी समस्या और घाव के लिए किया जाता रहा है।

पारंपरिक चिकित्सा में नीली हल्दी का इस्तेमाल गैस, ब्लोटिंग और पाचन संबंधी असहजता के लिए किया जाता रहा है। इसके सुगंधित यौगिक पाचन तंत्र पर प्रभाव डालते हैं।

नीली हल्दी का पारंपरिक उपयोग खांसी, कफ और सांस से जुड़ी कुछ परेशानियों में भी किया जाता है। इसका तेज सुगंध और प्राकृतिक तेलों के कारण इसका इस्तेमाल पारंपरिक उपचार में किया जाता रहा है।

खासकर गर्भावस्था, स्तनपान, किसी गंभीर बीमारी या नियमित दवाओं के सेवन की स्थिति में नीली हल्दी का सेवन करने से पहले डॉक्टर या योग्य स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है।